सोमार्थ सामुदायिक सलाहकार बोर्ड की चौथी बैठक कार्यवाही विवरण

बैठक की दिनांक	:	**25 सितंबर 2025**
बैठक का स्थान	:	**सोमार्थ कार्यालय, मित्रोल**
बैठक का समय	:	**दोपहर 2:00 बजे से 4:00 बजे**

बैठक में उपस्थित बोर्ड के सदस्यगण:

1. श्री शुभम तिवारी, डीपीएम, पलवल
2. श्री अमित कुमार सिंह, जिला कार्यात्मक प्रबंधक, पलवल
3. श्री जाहुल खान, जिला बाल संरक्षण अधिकारी, पलवल
4. श्री सलीम इज़्याश, वकील, मलोखरा
5. डॉ. संतोष ए.एस.एम.ओ, सी.एच.सी., औरंगाबाद
6. डॉ. राजकुमार, पी.एच.सी., उटावड
7. श्रीमती प्रीति डागर डी.एम.एम.यू (डी.ई.ओ.)
8. श्रीमती आशा रानी, एएनएम, मनोनीत सदस्य, स्वास्थ्य विभाग
9. श्री नरेंद्र सिंह, पूर्व सरपंच, ग्राम पंचायत गहलब
10. श्री टेकचंद, सरपंच, नांगल जाट
11. श्री रामप्रसाद रावत, पूर्व सरपंच, बहीन
12. श्री उदय सिंह पूर्व सरपंच, फिरोजपुर राजपूत
13. श्री याहान खान, सरपंच, ग्राम पंचायत खिल्लुका
14. डॉक्टर सफीक अहमद, मेडिकल ऑफिसर, सी.एच.सी., औरंगाबाद
15. मोहम्मद इकवाल, वकील, जुराली

16. श्री मुकुट लाल शर्मा, मनोनीत सदस्य चिरावटा
17. श्री रमेश, नम्बरदार, गुरासकर
18. श्री उमर मोहम्मद, नम्बरदार, अन्ध्रोला
19. श्रीमती मीनल, ब्लॉक आशा समन्वयक, हथीन
20. श्री मंजीत सिंह, सरपंच, ग्राम पंचायत दुर्गापुर

बैठक में उपस्थित इनक्लेन एवं सोमार्थ स्टाफ:

1. प्रोफेसर (डॉ.) नरेंद्र कुमार अरोड़ा
2. डॉ. मनोज कुमार दास
3. डॉ. वर्षाली देशमुख
4. डॉ. शिखा दीक्षित
5. डॉ. अभिषेक अग्रवाल
6. डॉ. पिंकी शर्मा
7. श्री राकेश कुमार सिंह
8. सुश्री रेनू श्रीवास
9. डॉ. मोहम्मद नसीम खांन
10. श्री विरेंद्र सिंह

बैठक की शुरुआत डॉ. मनोज के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने सभी सदस्यों और प्रतिभागियों का अभिवादन किया। उन्होंने एजेंडा प्रस्तुत किया और बेहतर सेवा वितरण के लिए समुदाय और स्वास्थ्य विभागों के बीच सहयोगात्मक प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. मनोज ने सोमार्थ की यात्रा और प्रगति पर भी विस्तार से चर्चा की और बताया कि कैसे संगठन ने अपनी सेवाओं और प्रभाव का निरंतर विस्तार किया है।

तकनीकी चर्चाओं के दौरान, डॉ. एन.के. अरोड़ा ने प्रभावी सेवा वितरण सुनिश्चित करने के लिए सामुदायिक सहभागिता और स्वास्थ्य विभागों के साथ साझेदारी की भूमिका पर ज़ोर दिया। उन्होंने समुदाय और क्षेत्रीय स्तर पर देखभाल में सुधार के लिए सोमार्थ के बाल देखभाल कार्यक्रमों के महत्व पर ध्यान दिलाया। डॉ. अरोड़ा ने मधुमेह, रक्तचाप, एनीमिया, विटामिन बी12 की कमी और उच्च कोलेस्ट्रॉल की नियमित जाँच की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और निवारक उपायों और समय पर उपचार पर ज़ोर दिया।

डॉ. वर्षाली ने डिमेंशिया परियोजना और सेवाओं की प्रगति प्रस्तुत की। डॉ. अभिषेक ने जिला अस्पताल पलवल, एसडीएच होडल और सीएचसी हथीन में लक्ष्य परियोजना के कार्यान्वयन पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि यह परियोजना अस्पतालों को लक्ष्य प्रमाणन के लिए तैयार करने हेतु स्वच्छता, सफाई, बिजली, पानी की आपूर्ति और जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन जैसी बुनियादी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के बारे में भी विस्तार से बताया, जिसमें "4डी" - रोग, कमी, देरी और विकलांगता - पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जिसमें आंगनवाड़ी केंद्र, स्कूल और 0-18 वर्ष की आयु के बच्चे शामिल हैं।

डॉ. शिखा ने रोग निगरानी कार्यक्रम के प्रगति आँकड़े साझा किए और पिछले वर्ष हुई मौतों के कारणों को प्रस्तुत किया। इसके अलावा, श्री राकेश ने टीबी रोगियों को पौष्टिक आहार प्रदान करने में सोमार्थ के प्रयासों के बारे में बताया और आयुष्मान भारत योजना के तहत कवरेज की रूपरेखा प्रस्तुत की। डॉ. मनोज ने जन औषधि केंद्र के कवरेज और प्रभाव के बारे में विस्तार से बताया। पलवल जिले में पिछले वर्ष के दौरान सोमार्थ की समग्र उपलब्धियों के साथ-साथ चल रही परियोजनाओं और आगामी पहलों पर भी जानकारी दी गई।

समुदाय के सदस्यों ने चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया। गहलब के श्री नरेंद्र जी ने सरकारी अस्पतालों में साफ़-सफ़ाई, स्वच्छता और सेवाओं की खराब स्थिति पर चिंता जताई, जिसके कारण गर्भवती महिलाओं को अक्सर प्रसव के लिए निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ता है। उन्होंने मौसमी बीमारियों पर एक अध्ययन का भी अनुरोध किया। इसके अतिरिक्त, यह प्रश्न भी उठाया गया कि यदि कोई ग्राम प्रधान अपने गाँव में परियोजना से संबंधित कार्य की अनुमति नहीं देता है, तो क्या कार्रवाई की जाएगी।

जिला प्रशासन के जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम) श्री शुभम तिवारी ने जवाब में स्पष्ट किया कि परियोजना के कार्यान्वयन के लिए जिला स्तर पर अनुमोदन आवश्यक है और एक बार अनुमोदन मिल जाने के बाद, कोई भी सरपंच अपने गाँव में काम करने से इनकार नहीं कर सकता। उन्होंने सोमार्थ की प्रगति रिपोर्ट और बैठक के दौरान साझा किए गए प्रासंगिक आंकड़ों की सराहना की और सुझाव दिया कि इन्हें व्यापक स्वीकृति के लिए ज़िला अधिकारियों के साथ साझा किया जाए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि बेहतर सेवाओं के लिए समुदाय की ओर से स्वास्थ्य विभाग, पलवल को एक प्रशंसा पत्र जारी किया जाए।

बैठक का समापन डॉ. मनोज के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिन्होंने सभी प्रतिभागियों के बहुमूल्य योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने सभी को आगामी 9 अक्टूबर 2025 को आयोजित होने वाले 16वें सोमार्थ दिवस समारोह में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया।

निर्णय और कार्य बिंदु: सोमार्थ जिला अधिकारियों के साथ प्रगति रिपोर्ट और आँकड़े साझा करेगा। समुदाय द्वारा पलवल के स्वास्थ्य विभाग को एक प्रशंसा पत्र जारी किया जाएगा। मौसमी बीमारियों के अध्ययन के लिए प्रयास किए जाएँगे। स्वच्छता, सफ़ाई और सेवा वितरण में सुधार के लिए सरकारी अस्पतालों के साथ निरंतर अनुवर्ती कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। अंत में, सरपंचों से आयुष्मान कार्ड पहचान को सुगम बनाने और सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया।